<u>कॉलेज/विभाग का नाम:-</u> मधेपुरा कॉलेज मधेपुरा बीएड विभाग

<u>विषय</u>:- Childhood and Growing Up (बाल्यावस्था एवं उसका विकास)

<u>विषय वस्तु:-</u> सामाजिक भावनात्मक और भाषा विकास

<u>विषय 6:- भाषा की उपयोगिता</u>

"The child's adjustment is influenced by his speech in turn is influenced by his adjustment."

व्यक्ति विशेषता के कारण कहा गया है कि मानव एक बुद्धिमान प्राणी है क्योंकि वह मानव ही बोलने की शक्ति है जिसके द्वारा वह अपनी बुद्धि की अभिव्यक्ति कर दूसरे लोगों से संपर्क स्थापित करने का अच्छा अवसर प्राप्त करता है। मनुष्य ने आज संस्कृति और सभ्यता को विकसित किया है। वह बहुत कुछ भाषा की सुदृढ़ भीती पर आधारित है। **डमविल** ने भाषा विकास का महत्व को प्रस्तुत करते हुए लिखा है— "किसी जाति के भाषा विकास का इतिहास उसकी बुद्धि विकास का इतिहास है। अन्य प्राणियों की अपेक्षा भाषा के कारण ही अधिक श्रेष्ठ है। भाषा और सभ्यता का विकास साथ-साथ होता है। प्रारंभ में शिशु स्थूल वस्तुओं का ही प्रयोग करता है। बाद में वह भाषा का व्यवहार करने लगता है। शिक्षा का एक प्रधान उद्देश्य बालक को भाषा की का समुचित ज्ञान कराना है। किसी भी व्यक्ति की बौद्धिक योग्यताओं का सर्वश्रेष्ठ माप उसका शब्द भंडार है।" इस प्रकार मानव जीवन में भाषा का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है।

ब्राउनफील्ड के अनुसार— "अन्य लोगों के साथ संपर्क स्थापित करने की शक्ति का नाम भाषा है।"

मानव जीवन में भाषा एक ऐसी शक्ति या माध्यम है जिसके द्वारा अन्य लोगों से संपर्क स्थापित किया जाता है। विचारों तथा भावनाओं के प्रति और अर्थ देने वाले सभी तत्व का प्रयोग सामाजिक संपर्क के रूप में किया जाता है, भाषा के ही अंग है, जैसे- चेहरे के भाव, अंग विक्षेप, संकेत, कला, मूक अभिनय, बोलचाल का स्वरूप, लिखित स्वरूप आदि। इन्हीं प्रतीकों एवं रूपों के आधार पर मानव व को अन्य प्राणियों से पृथक समझा जाता है।

सामाजिक संपर्क — बालक का भाषा विकास उनके लिए अन्य लोगों के साथ संपर्क स्थापित करने का सबसे बड़ा साधन है:-

भाषा विकास के साथ बालक में दूसरों से संपर्क स्थापित करने की योग्यता का विकास हो जाता है। भाषा के उपर्युक्त गुण के सामने रखते हुए भाषा के कार्यों को अग्रलिखित वर्गों में विभक्त किया जा सकता है—

- सामाजिक संपर्क एवं अभिव्यक्ति का माध्यम,
- आत्म केंद्रित क्रिया के रूप में, और
- शांत भाषा अथवा चिंतन।

1. संवेदनात्मक प्रतिक्रियाएं है जैसे- सुनना, देखना आदि।
2. संवेदन, क्रिया संबंधी प्रतिक्रियाएं, जैसे- बोलना, लिखना आदि।

वास्तव में भाषा द्वारा बालक अन्य बालकों तथा व्यक्तियों की बातों को समझता है और भाषा द्वारा ही अपने विचारों को दूसरे के सामने अभिव्यक्त करता है। मैकार्थी का यहां तक कहना है कि शिक्षालय से पूर्व के वर्षों में बालक द्वारा अभिव्यक्त भाषा में 96% प्रतिक्रियाएं सामाजिक होती है। इस प्रकार भाषा सामाजिक संपर्क से विकसित होती है। भाषा के विकास के लिए समूह के सदस्य एक-दूसरे के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। क्रिया-प्रतिक्रिया द्वारा ही समाज में प्रगति होती है। मैकार्थी, ब्राउनफील्ड ने भाषा के अन्य कुछ कार्य उद्देश्य बताएं हैं, जो निम्न प्रकार है:-

- सूचना प्राप्त करना।
- अपने भावों की अभिव्यक्ति करना।
- दूसरों को प्रेरणा प्रदान करना।
- समाजीकरण की प्रक्रिया में सहायता देना।